अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान वर्ष : 2019 **दिनांक : 20-12-2019**

समय : 3 घंटा **चतुर्थ वर्ष-द्वितीय प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

(नव पदार्थ) आस्रव संवर-50

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक दो लाईन में लिखें- 16

आश्रव-किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखें-

(क) आचार्य भिक्षु ने आश्रव द्वारों को संपुष्ट करने के लिए कौन-कौन से आगमों का आधार ढालों में लिया।

(ख) निर्ग्रंथ कौन होते हैं?

(ग) धर्म ध्यान व शुक्ल ध्यान किसे कहते हैं?

(घ) भगवान महावीर की धर्म विज्ञप्ति में तथा गोशालक की धर्म प्रज्ञप्ति में क्या अंतर था?

(ङ) वचन योग को परिभाषित करें।

(च) मिथ्यात्व आश्रव जीव किस प्रकार है?

(छ) उमास्वाति ने मिथ्यात्व के दो प्रकारों को माना है, वे कौन से हैं, तथा उनका उल्लेख किस सूत्र में आता है?

(ज) विदारण क्रिया आस्रव से आप क्या समझते हैं?

संवर-किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें-

(झ) ओध उपधि व उपकरण उपधि से आप क्या समझते हैं?

(ञ) भाषा समिति व उत्तम सत्य का अंतर स्पष्ट करें।

(ट) उत्तम आकिञ्चन्य से आप क्या समझते हैं?

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें- 10

(क) **आश्रव**-योग निरोध की प्रक्रिया बताऐं। ***अथवा*** सिद्ध करो कि आश्रव का प्रतिपक्षी तत्त्व संवर है।

(ख) **संवर**-क्षायोपशमिक भाव तथा क्षायोपशमिक चारित्र को स्पष्ट करें। ***अथवा*** क्या योग को छोड़कर शेष उन्नीस आश्रवों को जीव जब इच्छा हो तब छोड़ सकता है?

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें- 24

(क) **आश्रव**-आचार्य भिक्षु ने आश्रव को जीव किस प्रकार सिद्ध किया है? ***अथवा*** आश्रव के बीस भेदों में से प्राणातिपात, अदत्तादान व पंचेन्द्रिय आश्रव का विस्तार से विवेचन करें।

(ख) **संवर**-सामायिक आदि पांचों संयतों के संयम-स्थानक तथा चारित्र-पर्यव कितने हैं? ***अथवा*** उदाहरण सहित सिद्ध करें कि संवर भाव जीव है।

अवबोध (मनुष्य गति से शील धर्म)–30

प्र. 4 किन्हीं छह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें– 6

(क) यथाख्यात चारित्र चरम शरीरी में होता है या अचरम शरीरी में?

(ख) क्या सम्यक्त्वी चारों गतियों में होते हैं?

(ग) सातों पृथ्वियां शाश्वत हैं या अशाश्वत?

(घ) निदानकृत व्यक्ति को चारित्र आ सकता है?

(ङ) अनंतकायिक जीव किस राशि के अन्तर्गत हैं?

(च) कल्प किसे कहते हैं, जिनकल्प में कितने चारित्र पाते हैं?

(छ) औपशमिक व सास्वादन सम्यक्त्वी में चारित्र कितने होते हैं?

(ज) चरम शरीरी कौन सी नरक से निकल कर बन सकते हैं?

प्र. 5 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर दो या तीन लाईन में लिखें– 12

(क) क्या परिहार विशुद्धि चारित्र की परंपरा चलती है?

(ख) परमाधार्मिक देवता कितने प्रकार के हैं?

(ग) चारों दर्शन का स्वरूप क्या है?

(घ) क्या जलचर तिर्यंच श्रावक सामायिक पौषध कर सकते हैं?

(ङ) नरक में अन्तर व प्रतर कितने हैं तथा अंतरों की ऊँचाई कितनी है?

(च) क्या पूरे जीव जगत को मैथुन संवन का पाप लगता है?

(छ) ब्रह्मचर्य को तप क्यों कहा है?

(ज) क्या अवधिज्ञान भवहेतुक है?

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) ब्रह्मचारी मर कर कहां जाते है? ब्रह्मचर्य का पालन सावद्य है या निरवद्य? जैनागमों में ब्रह्मचर्य की महिमा किस रूप में है?

(ख) पांचों सम्यक्त्व का स्वरूप क्या है? तथा पांचों के अल्पाबहुत्व का क्या क्रम है?

(ग) चारित्र की प्राप्ति कैसी होती है? तथा चारित्र की स्थिति कितनी है?

श्रावक-संबोध–20

प्र. 7 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर एक दो लाईन में लिखें– 8

(क) वृत्ति विच्छेद का क्या तात्पर्य है?

(ख) सहसाभ्याख्यान, रहस्याभ्याख्यान किसे कहते हैं?

(ग) 'स्तेनाहृत' व 'स्मृति अन्तर्धान' से आप क्या समझते हैं?

(घ) दस महास्वप्न में दूसरा स्वप्न–'सफेद पंखों वाला एक बड़ा सा नर कोकिल महावीर के चारों ओर चक्कर काटता है' इस स्वप्न का फलादेश बताइये।

(ङ) भगवान महावीर ने लोक के स्वरूप को अनेक दृष्टियों से निरूपति किया, उसके आधार पर लोक की तीन परिभाषाएं बन जाती हैं, वे कौन सी परिभाषा हैं, लिखें।

(च) 'अनवस्थितसामायिक करण' का अर्थ लिखें, यह किस व्रत का अतिचार है?

प्र. 8 कोई चार पद्य लिखें– 12

(क) तीन गुणव्रतों को श्रावक जीवन का आभूषण बताने वाला पद्य लिखें।

(ख) सम्यक् दर्शन के पांच लक्षणों को जिस पद्य में निरूपित किया है–वह पद्य लिखें।

(ग) श्रावक-जीवन को सार्थक बनाने के लिए नौ तत्त्वों के अनुशीलन की आवश्यकता है, वह पद्य लिखें।

(घ) जो श्रद्धालु वीर चरण में आकर बारह व्रती बनते हैं–वह पद्य लिखें।

(ङ) 'भ्रामरी भिक्षाचरी' शब्द जिस पद्य में आऐं–वह पद्य लिखें।

(च) आहार शुद्धि व व्यसन मुक्ति का वर्णन जिस पद्य में हों–वह पद्य लिखें।